The Himachal Times
19-6-2021

Green Skill Development Programme generates employment opportunities

DEHRADUN, JUNE 18 (HTNS) Ravi Agrawal Additional Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change visited ENVIS (Environmental Information System) Resource Partner on Forestry and Forestry Related Livelihoods at Forest Research Institute Dehradun on Friday to review and monitor the ongoing programmes.

Agrawal was apprised of various activities and programmes executed by the ENVIS-FRI. He reviewed the various ENVIS publications as Forestry Bulletin on thematic issues, special books on Bamboos and Eucalyptus, different issues of Forests News Digest – A bimonthly publication. He appreciated the outreach awareness programmes of FRI Centre on International Day of Forests, Ozone Day, Wildlife Week, Biodiversity Day, World Environment Day involving school, college, and university students. He also appreciated the implementation of Green Skill Development Programme of MoEF and CC New Delhi by ENVIS Resource Partner on Forestry and Forest Related Livelihoods at Forest Research Institute, Dehradun where 32 GSDP training programmes were organized during Financial Year 2018-19 and 2019-20 by ICFRE Institutes benefiting 596 participants. He informed that the government has a target of imparting training to seven lakh participants for employment generation, by the end of this financial year.

He laid thrust on the need to increase participation of secondary level students significantly to achieve the objective of this government scheme.

Arun Singh Rawat Director General, Indian Council of Forestry Research and Education and Director FRI informed that FRI has developed new modules for Green Skill Development Programme to enhance participation and employment generation opportunities to the young generation.

He said that the GSDP training programmes will be imparted by all ICFRE institutes throughout the country. The meeting was attended by all Head of Divisions of FRI, Coordinator ENVIS and employees of ENVIS Centre.

Amar Ujala
19-6-2021

कौशल विकास : सात लाख युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

देहरादून। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत साल के अंत तक सात लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह जानकारी वन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रवि अग्रवाल ने दी। उन्होंने भारतीय वन अनुसंधान संस्थान में वानिकी संबंधित आजीविका पर आधारित एनवीस केंद्र के तहत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की।

अतिरिक्त सचिव ने जोर दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माध्यमिक स्तर के छात्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। आईसीएफआरई के महानिदेशक व एफआरआई के निदेशक अरुण सिंह रावत ने कहा कि संस्थान द्वारा युवा पीढ़ी की भागीदारी और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए हरित कौशल विकास कार्यक्रम के लिए नए मॉडल माड्यूल विकसित किए गए हैं। बैठक के बाद अतिरिक्त सचिव रवि अग्रवाल ने वानिकी बुलेटिन, बांस और नीलगिरी पर विशेष पुस्तकों, फॉरेस्ट न्यूज डाइजेस्ट का अवलोकन किया। मा.सि.रि.

Janbharat Mail
19-6-2021

रवि अग्रवाल ने किया वन अनुसंधान संस्थान का दौरा

देहरादून, संवाददाता। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रवि अग्रवाल ने स्थित वानिकी और वानिकी संबंधित आजीविका पर आधारित एनविस केंद्र के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा और निगरानी के लिए वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।

श्री अग्रवाल को एनविस-एफआरआई द्वारा निष्पादित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। उन्होंने एनविस द्वारा प्रकाशित विभिन्न पत्रिकाओं व पुस्तकों का अवलोकन किया, जिनमें वानिकी बुलेटिन; बांस और नीलगिरी पर विशेष पुस्तकें; फॉरेस्ट न्यूज डाइजेस्ट के विभिन्न अंक आदि प्रमुख थें। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, ओजोन दिवस, वन्यजीव सप्ताह, जैव विविधता दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों को शामिल करते हुए एफआरआई केंद्र के विस्तार कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने एनविस-एफआरआई केंद्र द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन की भी सराहना की। उनको यह भी अवगत कराया गया कि आईसीएफआरई के संस्थानों द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान 32 जीएसडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे तथा उन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 596 प्रतिभागियों को लाभ मिला था। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत सरकार का इस वित्तीय वर्ष के अंत तक सात लाख प्रतिभागियों को रोजगार सृजन के लिए प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। उन्होंने इस सरकारी योजना के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए माध्यमिक स्तर के छात्रों की भागीदारी को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं और शिक्षा परिषद तथा निदेशक एफआरआई ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि संस्थान द्वारा युवा पीढ़ी की भागीदारी और रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने के लिए हरित कौशल विकास कार्यक्रम हेतु नए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के विभिन्न स्थानों में स्थित सभी भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं और शिक्षा परिषद के संस्थानों द्वारा जीएसडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। बैठक में एफआरआई के सभी प्रभागों के प्रमुख, एनविस केंद्र के समन्वयक और अन्य कर्मचारी उपस्थित थें।

Dainik Jagran
19-6-2021

हरित कौशल विकास से पैदा होगा रोजगार

देहरादून: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रवि अग्रवाल ने कहा कि हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत ज्यादा से ज्यादा छात्रों को जोड़कर प्रशिक्षित किया जाए। शुक्रवार को उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वानिकी और वानिकी संबंधित आजीविका पर आधारित एनविस केंद्र के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा भी की।

सचिव रवि अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार का इस वित्तीय वर्ष के अंत तक सात लाख प्रतिभागियों को रोजगार सृजन के लिए प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। उन्होंने कौशल विकास के तहत चलाए जा रहे कार्यक्रमों से माध्यमिक छात्रों की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। भारतीय वानिकी संस्थान के महानिदेशक डा. अरुण सिंह रावत ने कहा कि संस्थान ने रोजगार सृजन के अवसर को बढ़ाने को हरित कौशल विकास कार्यक्रम के लिए नए माड्यूल विकसित किए हैं। यह कार्यक्रम देश भर के विभिन्न संस्थानों, भारतीय वानिकी अनुसंधान की शाखाओं और शिक्षा परिषद के संस्थानों में चलाए जा रहे हैं। (जासं)

The Hawk
19-6-2021

FRI: Green Skill Development Programme Generates Employment Opportunities

Dehradun (The Hawk): Shri Ravi Agrawal Additional Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change visited ENVIS (Environmental Information System) Resource Partner on Forestry and Forestry Related Livelihoods at Forest Research Institute Dehradun on 18th June 2021 to review and monitor ongoing programmes.

Shri Agrawal was apprised of various activities and progrmmes executed by the ENVIS-FRI. He saw various ENVIS publications viz., Forestry Bulletin on thematic issues; especial books on Bamboos and Eucalypts; different issues of Forests News Digest – A bimonthly publication. He appreciated the outreach awareness progrmmes of FRI Center on International Day of Forests, Ozone Day, Wildlife Week, Biodiversity Day, World Environment Day involving school, college, and university students. He also appreciated the implementation of Green Skill Development Programme of MoEF&CC New Delhi by ENVIS Resource Partner on Forestry and Forest Related Livelihoods at Forest Research Institute, Dehradun where 32 GSDP training programmes were organized during Financial Year 2018-19 and 2019-20 by ICFRE Institutes benefiting 596 participants. He informed that the government has a target of imparting training to seven lakh participants for employment generation, by the end of this financial year. He stressed over the need to increase participation of secondary level students significantly to achieve the objective of this government scheme.

On this occasion, Sh. Arun Singh Rawat Director General, Indian Council of Forestry Research and Education and Director FRI informed that FRI has developed new modules for Green Skill Development Programme to enhance participation and employment generation opportunities to the young generation. He said that the GSDP training programmes will be imparted by all ICFRE institutes throughout the country. The meeting was attended by all Head of Divisions of FRI, Coordinator ENVIS and employees of ENVIS Center.